अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवीं – जैन धर्म चन्द्रिका (परीक्षा 21 जुलाई, 2019)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) **'हीणक्खरं' का अर्थ है-**

(क) अक्षर घटाना **(ख) अक्षर बढ़ाना**

(ग) पद कम करना **(घ) विनयरहित पढ़ना** ( )

(b) **दर्शन सम्यक्त्व का अतिचार नहीं है-**

(क) संका **(ख) कंखा**

(ग) कूड़ा आल **(घ) वितिगिच्छा** ( )

(c) **'विगयविहि' का अर्थ है-**

(क) मूंग, चने की दाल **(ख) शाक, सब्जी**

(ग) दूध,दही,घी **(घ) मधुर फल** ( )

(d) **'उच्चारपासवण भूमि' किस अणुव्रत का अतिचार है-**

(क) पहला अणुव्रत **(ख) चतुर्थ अणुव्रत**

(ग) ग्यारहवाँ अणुव्रत **(घ) बारहवाँ अणुव्रत** ( )

(e) **यतना का भेद नहीं है-**

(क) द्रव्य **(ख) क्षेत्र**

(ग) काल **(घ) आलम्बन** ( )

(f) **पाँच समिति, तीन गुप्ति के थोकड़े का उल्लेख किया गया है-**

(क) उत्तराध्ययन सूत्र में **(ख) दशवैकालिक सूत्र में**

(ग) नन्दी सूत्र में **(घ) अनुयोग द्वार सूत्र में** ( )

(g) **उपधि के भेद हैं-**

(क) 6 **(ख) 5**

(ग) 2 **(घ) 10** ( )

(h) **'भक्तामर स्तोत्र' में किसकी स्तुति की गई है-**

(क) ऋषभदेवजी **(ख) भगवान महावीर**

(ग) भगवान पार्श्वनाथ **(घ) भगवान गौतम बुद्ध** ( )

(i) **शासन के स्वामी है-**

(क) वर्धमान **(ख) पारस**

(ग) नमिनाथ **(घ) अरनाथ** ( )

(j) **''सागारियागारेणं'' शब्द किस पच्चक्खाण से सम्बन्धित है-**

(क) पोरिसि **(ख) एकासना**

(ग) आयम्बिल **(घ) उपवास** ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) आचार्य जी महाराज नववाड़ सहित शुद्ध ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। ( )

(b) आठवें अणुव्रत में 26 बोलों की मर्यादा का उल्लेख किया गया है। ( )

(c) दास-दासी, पशु आदि का व्यापार करना केसवाणिज्ये है। ( )

(d) ''कालाइक्कमे'' का सम्बन्ध बारहवें अणुव्रत से है। ( )

(e) पोरिसियं में एक प्रहर का त्याग किया जाता है। ( )

(f) 'मालोहडे' उत्पादना का एक दोष है। ( )

(g) अंधा, लूला, लंगड़े से लेवे तो 'दायग' दोष लगता है। ( )

(h) काया की अशुभ प्रवृत्तियों को रोकना 'काय गुप्ति' है। ( )

(i) भक्तामर स्तोत्र के रचयिता 'मानतुंगाचार्य' हैं। ( )

(j) वर्तमान चौबीसी के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी है। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से सही जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **10x1=(10)**

(a)	संथारा का पाठ	(क) 3	.....
(b)	मूल सूत्र	(ख) खामेमि सव्वे जीवा	.....
(c)	गुत्तीणं	(ग) उद्गम का दोष	.....
(d)	कन्नालीए	(घ) बड़ी संलेखना	.....
(e)	क्षमापना पाठ	(च) 4	.....
(f)	मीसजाए	(छ) उत्पादना का दोष	.....
(g)	विज्जा	(ज) कन्या या वर सम्बन्धी	.....
(h)	मैंने बहुत किए अपराध	(झ) केवल मुनि	.....
(i)	जय जिनवर जय	(य) आयंबिल सूत्र	.....
(j)	उक्खित्तविवेगेणं	(र) त्रिलोक ऋषि	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मैं प्रतिक्रमण का संक्षिप्त पाठ हूँ। .....

(b) 'अबंभ सेवन' मेरा एक अतिचार है। .....

(c) मेरे पच्चक्खाण में डेढ़ प्रहर तक आहार का त्याग होता है। .....

(d) मेरे द्वारा आचार्य, उपाध्याय एवं चतुर्विध संघ से क्षमायाचना की जाती है। .....

(e) मेरा एक अतिचार 'विरुद्धरज्जाइक्कमे' है। .....

(f) मैं एक ऐसा दोष हूँ, जिसे साधु आहार करते समय भोजन की प्रशंसा करते हुए लगाते हैं। .....

(g) 42 दोष टालकर निर्दोष भिक्षा लेने की प्रवृत्ति को कहते हैं। .....

(h) मैंने बहुत किये अपराध चौबीसी में मुझे करुणा सागर कहा है। .....

(i) भगवान आदिनाथ के दर्शन की तुलना मुझसे की गई है। .....

(j) मैं आगम का तीसरा प्रकार हूँ। .....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए: - **12x2=(24)**

(a) चौमासी एवं संवत्सरी में कितने लोगस्स का कायोत्सर्ग किया जाता है ?

.....

.....

.....

(b) अशुभ योगों का प्रतिक्रमण कौन-कौन से पाठ से किया जाता है ?

.....

.....

.....

(c) आगम किसे कहते हैं ?

.....

.....

.....

(d) संज्ञा किसे कहते हैं ? यह कितने प्रकार की होती हैं ?

.....

.....

.....

(e) बारहवें व्रत में करण-योग क्यो नहीं है ?

.....

.....

.....

(f) वचन के आठ दोषों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

(g) **औपग्रहिक उपधि किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

(h) **भक्तामर स्तोत्र की निम्न गाथा मूल रूप में लिखिए।**

मत्वेति नाथ! .....

.....

..... **ननूदबिंदुः।।**

(i) **''तुम.....दीन दयाल।'' रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

(j) **''विमलनाथ.....चौबीसी भगवान।'' उक्त प्रार्थना को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

(k) **पोरिसि प्रत्याख्यान में एक प्रहर के लिये कौन-कौन से आहारों का त्याग किया जाता है ?**

.....

.....

.....

(l) **निम्न रिक्त स्थान को पोरिसी सूत्र पाठ से पूर्ण करके लिखिए-**

अन्नत्थऽणाभोगेणं .....

.....

..... **.वोसिरामि।।**

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **12x3 = (36)**

(a) **सिद्ध भगवान के 15 भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **प्रतिक्रमण करने के कोई छह लाभ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **अतिक्रम, व्यतिक्रम तथा अतिचार को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **आठवें अणुव्रत के आठ आगार अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(e) **रात्रि-भोजन त्याग के कोई छः लाभ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **निम्नमद किसने किया-**

1. लाभ मद **2. ऐश्वर्यमद** **3. तपमद**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **'इच्छामि खमासमणो' का पाठ दो बार क्यों बोला जाता है ?**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(h) **एषणा समिति के भेदों का अर्थ सहित उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(i) **साधु के आहार करने के 6 कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(j) **''चित्रं.....कदाचित्।'' उक्त गाथा का भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(k) **''इकवीसवां.....जोड़ी हाथ।'' रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(l) **आयंबिल-सूत्र का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....